

प्रेषक,

लक्ष्मण सिंह,  
अनु सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. श्रमायुक्त,  
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

2. विभागाध्यक्ष/पीठासीन अधिकारी  
श्रम न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायधिकरण,  
हल्द्वानी।

श्रम विभाग

देहरादून : दिनांक: 3। जुलाई, 2009

विषय : वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में वचनबद्ध/आवश्यक मदों की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-515(1)/XXVII(1)/2009 दिनांक 28.07.2009 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु श्रम विभाग एवं श्रम न्यायालय एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण के कार्यालयों हेतु आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर पक्ष की वचनबद्ध/आवश्यक मदों की धनराशि संलग्न-विवरणानुसार कुल रूपये 3,09,14,000.00 (रु० तीन करोड़ नौ लाख चौदह हजार मात्र) को स्वीकृत कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3. प्रश्नगत धनराशि लेखानुदान के माध्यम से स्वीकृत धनराशि के अतिरिक्त स्वीकृत की जा रही है।

4. यदि किसी योजना/शीर्षक एवं मद में आय-व्ययक 2009-10 में बजट प्रावधान लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि से कम हो तो धनराशि आय-व्ययक प्रावधान की सीमा तक ही व्यय की जाएगी।

5. प्रायः यह देखा गया है कि धनराशि विभागाध्यक्ष के निर्वर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्ष द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः वर्तमान में स्वीकृत की जा रही धनराशि आहरण-वितरण अधिकारी को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए और फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।

6- अवचनबद्ध मानक मदों में धनराशि अवमुक्त किये जाने का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जाये, ताकि वित्त विभाग की सहमति से आवश्यक धनराशि अवमुक्त की जा सके।

7- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-515(1)/XXVII(1)/2009 दिनांक 28.07.2009 में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

संलग्न:- यथोपरि।

भवदीय,

(लक्ष्मण सिंह)

अनु सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 134 / VIII / 14-श्रम / 2009, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- पीठासीन अधिकारी, काशीपुर, हरिद्वार एवं देहरादून।
- 3- सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
- 4- वित्त अनुभाग-5।
- 5- अपर श्रमायुक्त/उप श्रम आयुक्त, देहरादून।
- ✓ 6- एनआईसी, सचिवालय।
- 7- नियोजन विभाग।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)

अनु सचिव

अनुदान संख्या-16

घनराशि हजार रुपये में

I. मुख्य लेखाशीर्षक 2230- श्रम तथा रोजगार

01- श्रम

001-निदेशन तथा प्रशासन

03-श्रम विभाग का अधिष्ठान-00

क्र० सं०	मानक मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	125	4500
2	03-महंगाई भत्ता	32	1200
3	06-अन्य भत्ते	14	495
4	13-टेलीफोन पर व्यय	-	40
5	15-गाड़ियों का अनुरक्षण पेट्रोल आदि की खरीद	-	100
6	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	333
	योग:-	171	6668

II. मुख्य लेखाशीर्षक 2230- श्रम तथा रोजगार

01- श्रम

101-औद्योगिक सम्बन्ध

03- विभिन्न श्रम विनियमों का प्रवर्तन-00

क्र० सं०	मानक मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	250	10333
2	03-महंगाई भत्ता	63	2873
3	06-अन्य भत्ते	28	1137
4	09-विद्युत देय	-	70
5	10-जलकर/जलप्रभार	-	13
6	13-टेलीफोन पर व्यय	-	53
7	15-गाड़ियों का अनुरक्षण पेट्रोल आदि की खरीद	-	183
8	17-किराया उपशुल्क कर स्वामित्व	-	133
9	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	267
	योग:-	341	15062

III. मुख्य लेखाशीर्षक 2230- श्रम तथा रोजगार

01- श्रम

101- औद्योगिक सम्बन्ध

04- राज्य श्रम सलाहकार संविदा बोर्ड-00

क्र० सं०	मानक मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	-	183
2	02-मजदूरी	-	10
3	03-महंगाई भत्ता	-	50
4	06-अन्य भत्ते	-	33
5	09-विद्युत देय	-	3
6	10-जलकर/जलप्रभार	-	2
7	13-टेलीफोन पर व्यय	-	15

-1-2

566-2



8	15-गाड़ियों का अनुरक्षण पेट्रोल आदि की खरीद	-	67
9	17-किराया उपशुल्क कर स्वामित्व	-	80
10	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	97
	योग:-	-	540

IV. मुख्य लेखाशीर्षक 2230- श्रम तथा रोजगार

01- श्रम

101- औद्योगिक सम्बन्ध

05- औद्योगिक न्यायाधिकरण एवं श्रम न्यायालय का अधिष्ठान-00

क्र० सं०	मानक मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	-	1033
2	03-महंगाई भत्ता	-	317
3	06-अन्य भत्ते	-	233
4	09-विद्युत देय	-	3
5	10-जलकर/जलप्रभार	-	5
6	13-टेलीफोन पर व्यय	-	33
7	15-गाड़ियों का अनुरक्षण पेट्रोल आदि की खरीद	-	83
8	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	67
	योग:-	-	1774

V. मुख्य लेखाशीर्षक 2230- श्रम तथा रोजगार

01- श्रम

102- कार्य की परिस्थितियों तथा सुरक्षा

03- निरीक्षण अधिष्ठान-00

क्र० सं०	मानक मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	125	2100
2	03-महंगाई भत्ता	32	650
3	06-अन्य भत्ते	14	231
4	07-मानदेय	-	10
5	09-विद्युत देय	-	3
6	10-जलकर/जलप्रभार	-	2
7	13-टेलीफोन पर व्यय	-	23
8	15-गाड़ियों का अनुरक्षण पेट्रोल आदि की खरीद	-	43
9	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	117
	योग:-	171	3179

VI. मुख्य लेखाशीर्षक 2230- श्रम तथा रोजगार

01- श्रम आयोजनेत्तर

103- सामान्य श्रम कल्याण

03- श्रम कल्याण की विविध योजनायें/कल्याण केन्द्र-00

क्र० सं०	मानक मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	01-वेतन	-	1950
2	02-मजदूरी	-	5
3	03-महंगाई भत्ता	-	543

4	06-अन्य भत्ते	—	370
5	09-विद्युत देय	—	40
6	10-जलकर/जलप्रभार	—	10
7	13-टेलीफोन पर व्यय	—	13
8	17-किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व	—	50
9	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	—	27
	योग:-	—	3008

महायोग:-

आयोजनागत पक्ष:- रू0 6,83,000.00 (रू0 छः लाख तिरासी हजार मात्र)

आयोजनेत्तर पक्ष:- रू0 3,02,31,000.00 (रू0 तीन करोड़ दो लाख इकत्तीस हजार मात्र)

  
(लक्ष्मण सिंह)  
अनु सचिव